



Hargharpanditji

॥ शनिवार व्रत के मंत्र ॥

॥ जय शनिदेव महाराज ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ शनिवार व्रत के मंत्र ॥

शनिवार के व्रत में मुख्य रूप से शनिदेव की उपासना की जाती है। शनिदेव को कर्मफल और न्याय का देवता माना जाता है। व्रत के दौरान श्रद्धा से इन मंत्रों का जाप किया जा सकता है।

शनिदेव का सरल मंत्र

ॐ शं शनैश्वराय नमः॥

शनिवार को 108 बार जाप करना सामान्यतः शुभ माना जाता है।

शनि बीज मंत्र

ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्वराय नमः॥

यह मंत्र शनि ग्रह की शांति और अनुकूलता की कामना से जपा जाता है।

शनि गायत्री मंत्र

ॐ शनैश्वराय विद्महे

सूर्यपुत्राय धीमहि।

तन्नः सौरिः प्रचोदयात्॥

शनि देव का ध्यान मंत्र

नीलाञ्जनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम्।

छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्वरम्॥

अर्थ: जिनका वर्ण नील अंजन के समान है, जो सूर्यदेव के पुत्र और यमराज के बड़े भाई हैं, तथा छाया और सूर्य से उत्पन्न हुए हैं, उन शनिदेव को मैं प्रणाम करता हूँ।

शनि नाम मंत्र

ॐ शनैश्वराय नमः॥

यह सरल मंत्र उन लोगों के लिए भी उपयुक्त है जो पहली बार शनिदेव की साधना कर रहे हैं।

शनिवार व्रत में मंत्र जाप की सरल विधि
शनिवार सुबह स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें।

शनिदेव का स्मरण करके दीपक जलाएँ।

संभव हो तो सरसों के तेल का दीपक शनिदेव के समक्ष जलाएँ।

“ॐ शं शनैश्वराय नमः” का 108 बार जाप करें।

अंत में शनिदेव से अपने कर्मों में सुधार, धैर्य और न्याय के मार्ग पर चलने की शक्ति माँगें।

शनिदेव से प्रार्थना:

“हे सूर्यपुत्र शनिदेव! मेरे बुरे कर्मों को सुधारने की बुद्धि दें, मुझे धैर्य और सत्य के मार्ग पर चलने की शक्ति दें तथा मेरे जीवन की बाधाओं को दूर करने की कृपा करें।”